संदर्भः **दिनांकः 02-07-2022**

पहला हैकाथान बीमा मंथन 2022

समस्या कथन सं. 1: खुले एपीआई विनियम प्लेटफार्म के द्वारा वर्धित पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई वितरण का विकास करना

- पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई के वितरण में वृद्धि करने का लक्ष्य।
- खुले एपीआई की बुनियादी व्यवस्था के द्वारा सुसाध्य बनाये गये बहु-बैंक बहु-बीमाकर्ता वितरण प्लेटफार्म के लिए प्रौद्योगिकी द्वारा समर्थित समाधान उपलब्ध कराना। उदाहरण के लिए, कोई भी बैंक किसी बीमा कंपनी के द्वारा प्रस्तावित पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई उत्पाद वितरित कर सकता है अथवा विलोमतः किसी बैंक द्वारा प्रस्तावित उक्त उत्पाद कोई भी बीमा कंपनी वितरित कर सकती है।
- पालिसीधारकों (पीएचएस) के आनबोर्डिंग, नामिती के विवरण का संग्रहण (अधिदेशात्मक), पालिसी निर्गम, पालिसी सर्विसिंग, दावों के अबाध प्रसंस्करण हेतु संपूर्ण प्रौद्योगिकीगत समाधान के लिए एक सामान्य प्लेटफार्म उपलब्ध कराना।

समस्या कथन सं. 2: प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए मोटर बीमा में धोखाधड़ी का न्यूनीकरण/ निवारण

- विभिन्न मोटर खंडों के बीच प्रीमियम में भारी अंतर धोखाधड़ी करनेवालों को वाहन के वर्ग अथवा खंड की गलत घोषणा करने के लिए प्रेरित करता है, जो उद्योग अथवा किसी अन्य धोखाधड़ी के लिए प्रीमियम क्षरण में परिणत होता है।
- मोटर बीमा में धोखाधड़ियों का समाधान करने के लिए प्रौद्योगिकी आधारित समाधान।

समस्या कथन सं. 3: प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए अबीमाकृत मोटर वाहनों की पहचान करना और अनिवार्य (मैंडेटरी) मोटर अन्य पक्ष के लिए बीमा सुनिश्चित करना

निम्नलिखित के लिए प्रौद्योगीकी समर्थित समाधान

- अबीमाकृत वाहनों की पहचान करना (मोटर अन्य पक्ष)।
- सड़क पर चलने के लिए अबीमाकृत वाहनों का बीमा अन्य पक्ष कवरेज सुनिश्चित करना और इसे सुसाध्य बनाना।
- अबीमाकृत वाहनों के बारे में सूचना विधि प्रवर्तन एजेंसियों एवं वाहन मालिकों को उपलब्ध कराना।

समस्या कथन सं. 4: प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए स्वचालित मृत्यु दावा प्रसंस्करण

- वितरित लेजर प्रौद्योगिकी (डीएलटी) जैसी प्रौद्योगिकीगत संकल्पना का उपयोग करते हुए पालिसीधारक की मृत्यु का अपरिवर्तनीय प्रमाणीकरण।
- नामिती की पहचान और प्रमाणीकरण।
- दावे का स्वतः प्रसंस्करण।

समस्या कथन सं. 5: "कठिन भूभागों, कम प्रवेश्य और संभावित क्षेत्रों" में सूक्ष्म बीमा सहित, बीमा उत्पादों का प्रौद्योगिकी आधारित वितरण।

- बीमा व्यापन एवं कवरेज कठिन भूभागों और कम प्रवेश्य क्षेत्रों, जैसे लद्दाख, उत्तर-पूर्वी राज्यों और रेगिस्तानी इलाकों आदि में बहुत कम हैं।
- एक प्रौद्योगिकीगत समाधान/वितरण माडल परिकल्पित है।

समस्या कथन सं. 6: बीमा उत्पादों के अप-विक्रय (मिस-सेलिंग) को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग

- बीमा उत्पाद के अप-विक्रय की समस्या का समाधान करने के लिए, एक प्रौद्योगिकी-आधारित समाधान, समय की आवश्यकता है।
- ग्राहकों के लिए आवेदन, प्रस्ताव फार्म आदि भरने के लिए सहायता की आवश्यकता है। एक प्रौद्योगिकी आधारित समाधान अप-विक्रय की समस्या को हल कर सकता है।

समस्या कथन सं. 7: बीमा सूचना विनिमय केन्द्र (आईआईई) का विकास

- पालिसीधारकों के आनबोर्डिंग, पालिसी सर्विसिंग और दावा निपटान के लिए सेवाएँ प्रदान करने हेतु एक सामान्य विनिमय केन्द्र प्लेटफार्म उपलब्ध कराने की परिकल्पना की गई है।
- यह परिकल्पित है कि उक्त प्लेटफार्म का उपयोग पूँजी बाजारों के लिए व्यवस्थित विनिमय केन्द्र प्लेटफार्म के समान ही, उपर्युक्त सेवाएँ प्रदान करने के लिए सभी बीमा कंपनियों और मध्यवर्तियों के द्वारा किया जाना चाहिए।

समस्या कथन सं. 8: बीमा पालिसियों का अप्रतिलिपिकरण (डी-डूप्लिकेशन)

- पालिसीधारकों के पास विभिन्न बीमा कंपनियों से ली गई अनेक पालिसियाँ हैं जिससे कवर किये गये जीवनों की कुल संख्या प्रभावित होती है।
- कवर किये गये जीवनों की संख्या की पहचान करने और सूचित करने के लिए एक प्रौद्योगिकी समर्थित समाधान समय की आवश्यकता है तथा व्यक्ति की अनेक पालिसियों का समूहन एक जीवन के रूप में करने के लिए भी यह आवश्यक है जिससे पालिसीधारकों को अबाध सेवाएँ उपलब्ध कराई जा सकें।

समस्या कथन सं. 9: संपूर्ण समाधान उपलब्ध कराने के लिए एकीकृत वर्चुअल बीमा इंटरफेस (यूपीआई के अनुरूप) का विकास।

- बीमाकर्ता पालिसीधारकों की आनबोर्डिंग, पालिसी सर्विसिंग, दावों, शिकायतों के समाधान आदि जैसे विभिन्न परिचालनगत क्षेत्रों के लिए अपनी स्वयं की प्रणालियों का उपयोग कर रहे हैं।
- बीमा मूल्य श्रृंखला के लिए पारिस्थितिक तंत्र (ईको सिस्टम)।

समस्या कथन सं. 10: विदेशी मेडीक्लेम बीमा का अबाध निपटान और सामयिक सहायता

- एक अबाध तरीके से विदेशी मेडीक्लेम के निपटान के लिए प्रौद्योगिकी आधारित समाधान।

बीमा मंथन 2022 के लिए पंजीकरण लिंक शीघ्र ही उपलब्ध कराया जाएगा।

Ref. No: **Date: 02-07-2022**

First Hackathon Bima Manthan 2022

Problem Statement No.1: Developing enhanced PMJJBY and PMSBY distribution channel through Open API Exchange Platform

- Aim to increase distribution of PMJJBY and PMSBY.
- To provide tech enabled solution for multi-bank multi-insurer distribution platform facilitated by Open API Infrastructure. For example, any bank can distribute PMJJBY and PMSBY products offered by any insurance company or vice versa.
- To provide a common platform for end-to-end technological solution for onboarding the PHs, collecting the details of nominee (mandatory), policy issuance, policy servicing, seamless processing of the claims.

Problem Statement No.2: Fraud mitigation/ prevention in motor insurance by using technology

- Substantial difference in premium between various motor segments incentivizes fraudsters to mis-declare vehicle class or segment, resulting in premium leakage for the industry or any other frauds.
- Tech based solution to address frauds in motor insurance.

Problem Statement No.3: Identifying uninsured motor vehicles by using technology and ensuring for mandatory Motor Third Party

Tech enabled solution for

- Identifying the uninsured vehicles (motor third party).
- Ensuring and facilitating insurance third party coverage of the uninsured vehicles to ply on the road.
- Providing communication about the uninsured vehicles to the law enforcement agencies as well as to the vehicle owners.

Problem Statement No.4: Automatic death claim processing using Technology

- Immutable authentication of the death of the policyholder using technological concept such as Distributed Ledger Technology (DLT).
- Identification and authentication of the nominee.
- Auto processing of the claim.

Problem Statement No.5: Technology based distribution of insurance products including micro insurance in "difficult terrains, less penetrable and potential areas"

- Insurance penetration as well as coverage is very low in difficult terrains and less penetrable areas such as Ladakh, North Eastern States and Desert Areas etc.
- A technology-based solution/ distribution model is envisaged.

Problem Statement No.6: Use of technology to curtail mis-selling of insurance products

- To address the problem of mis-selling of insurance product, a tech-based solution is the need of the hour.
- Customers are in need for assistance to fill application, proposal forms etc. a tech-based solution can address the issue of mis-selling.

Problem Statement No.7: Development of Insurance Information Exchange (IIE)

- A tech-based solution is envisaged for providing a common exchange platform for providing services for onboarding the policyholders, policy servicing and claims settlement.
- It is envisaged that the platform should be used by all the insurance companies and the intermediaries for providing the above said services similar to the exchange platform provided for capital markets.

Problem Statement No.8: De-duplication of Insurance Policies

- The policyholders are having multiple policies from different insurance companies which impacts the total number of lives covered.
- A technology enabled solution is the need of the hour for identifying and reporting the number of lives covered and also group the multiple policies of the individual as one life for providing seamless services to the policyholders.

Problem Statement No.9: Development of Unified Virtual Insurance Interface (in lines of UPI) for providing end-to-end solution.

- Insurers are using their own systems for various operational areas such as onboarding of the PHs, Policy servicing, claims, redressal of grievances etc.
- Ecosystem for insurance value chain.

Problem Statement No.10: Seamless settlement and timely assistance of Overseas Mediclaim Insurance

Tech based solution for settling overseas medical claim in a seamless manner.

Registration link for Bima Manthan 2022 would be made available shortly.